मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

आईआईएमः मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

रांची| आईआईएम रांची में चल रहे 5 दिवसीय मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। समारोह में आईआईएम रांची के निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव, डीन एकेडमिक प्रो. तनुश्री दत्ता शामिल हुए। मौके पर प्रो. श्रीवास्तव ने शैक्षणिक संस्थानों में वित्त का प्रबंधन, दीर्घकालिक विकास की योजना बनाना और शासन के कानूनी पहलुओं को समझने पर जोर दिया। प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

Dainik Bhaskar, 23-06-2024, P.g- 04

आईआईएम में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी सम्मानित

रांची। आईआईएम, रांची में 5 दिवसीय मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को संपन्न हुआ। निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव, डीन अकादमिक प्रो तनुश्री दत्ता मौजूद थे। प्रो दीपक श्रीवास्तव ने तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों- शैक्षणिक संस्थानों में वित्त का प्रबंधन, दीर्घकालिक विकास की योजना बनाना और शासन के कानूनी पहलुओं को समझना, पर जोर दिया।

प्रतिभागियों ने परियोजना और संकट प्रबंधन, गहन शोध और केस स्टडीज पर हैंडबुक का भी सुझाव दिया। अंत में प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

Hindustan, 23-06-24, P.g- 08

आइआइएम रांची : एमबीए प्रोग्राम में 100 सीटें बढ़ीं

अभिषेक रॉय, रांची

आइआइएम रांची का कैंपस विस्तार होने से विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है. सत्र 2024-26 की कक्षाओं की शुरुआत 26 जून से होगी. नये सत्र में एमबीए प्रोग्राम के लिए 100 सीटें बढ़ायी गयी हैं. सत्र 2023-25 में एमबीए प्रोग्राम में 244 विद्यार्थियों को नामांकन मिला था. वहीं, इस वर्ष एमबीए प्रोग्राम में 344 विद्यार्थियों को नामांकन मिला है. एमबीए - ह्यूमन रिसोर्स (एचआर) में 58 और एमबीए-बिजनेस एनालिटिक्स (बीए) में 54 विद्यार्थी शामिल हुए हैं. इसके अलावा आइआइएम रांची प्रबंधन कौशल के साथ-साथ शोध को लगातार बढ़ावा दे रहा है. नये सत्र में पीएचडी के लिए आठ शोधार्थी जुड़े हैं. इनकी संख्या 2023 में दो थी. निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने बताया कि आइआइएम रांची <bha>@</bha> 2030 स्ट्रैटेजिक प्लान के तहत अगले सात वर्षों की रणनीति तैयार की गयी है. इसके तहत एजुकेशन इनोवेशन को प्राथमिकता दी जा रही है. एमबीए प्रोग्राम में बढ़ी हुई सीटों का लाभ संस्थान में अध्ययनरत इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (आइपीएम) के विद्यार्थियों को भी मिला है. कोर्स में

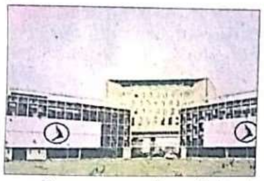

□ ऑनलाइन माध्यम में शुरू किये गये चार नये सर्टिफिकेट कोर्स

शामिल 75 विद्यार्थी नये सत्र के एमबीए प्रोग्राम में अपनी जगह बनाने में सफल रहे.

ऑनलाइन माध्यम से कर सकेंगे चार कोर्स : संस्था विद्यार्थियों में प्रबंधन कौशल को बढ़ावा देने के लिए चार नये सर्टिफिकेट कोर्स का संचालन कर रही है. नये सत्र से चार ऑनलाइन कोर्स - पीजी सर्टिफिकेशन इन लीडरशिप एंड चेंज मैनेजमेंट (10 माह का कोर्स), पीजी सर्टिफिकेशन इन एडवांस्ड एचआरएम एंड स्ट्रैटेजिक एनालिटिक्स (एक वर्षीय कोर्स), पीजी सर्टिफिकेशन इन एडवांस्ड जेनरल मैनेजमेंट (एक वर्षीय कोर्स) और एग्जीक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएशन सर्टिफिकेशन इन इंवेस्टमेंट बैंकिंग एंड कैपिटल मार्केट्स (नौ माह का कोर्स) को शुरू कर दिया गया है. इन कोर्स में आवेदन की प्रक्रिया जारी है. इच्छुक विद्यार्थी संस्था की आधिकारिक वेबसाइट से आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे. ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स के दौरान विद्यार्थियों के बीच कैंपस इंट्रैक्शन भी होगा. इसके लिए विद्यार्थी दो से पांच दिनों तक कैंपस में पढ़ाई करेंगे.

लाइव प्रोजेक्ट पर मिलेगा एकेडमिक क्रेडिट स्कोर : एमबीए प्रोग्राम के नये सत्र में शामिल हो रहे विद्यार्थियों को लाइव प्रोजेक्ट पर एकेडमिक क्रेडिट स्कोर मिलेगा. इसके लिए विद्यार्थियों को वर्चुअल लाइव प्रोजेक्ट्स नियमित कक्षा के साथ पूरा करना होगा. लाइव प्रोजेक्ट फर्स्ट और सेकेंड सेमेस्टर में पूरी करनी होगी. इससे विद्यार्थियों के पास समर इंटर्नशिप के अलावा अतिरिक्त क्रेडिट स्कोर हासिल करने का मौका मिल सकेगा. विद्यार्थी अपना एकेडमिक क्रेडिट स्कोर रेगुलर प्रोजेक्ट के अलावा संस्था के स्टूडेंट क्लब से जुड़कर भी बढ़ा सकेंगे. अतिरिक्त क्रेडिट स्कोर हासिल करने के लिए विद्यार्थियों को संस्था के 10 अलग-अलग क्लब से जुड़ने का मौका मिलेगा. जहां विद्यार्थी - एनालिटिक्स, स्ट्रेटेजी एंड प्लानिंग, कंसल्टिंग, फाइनांस, एआइ, एचआर, मार्केटिंग ऑपरेशन्स, पब्लिक पॉलिसी और डिजिटल मीडिया जैसे विषय पर प्रोजेक्ट तैयार कर क्रेडिट स्कोर हासिल करसकेंगे.

शिक्षा की दीर्घकालिक योजना हो : प्रो दीपक

रांची. आइआइएम रांची में शनिवार को पांच दिवसीय मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम का समापन हुआ. निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान के विकास में वित्तीय प्रबंधन जरूरी है. साथ ही शिक्षा की दीर्घकालिक विकास योजना बनानी होगी. इससे शैक्षिकं चुनौतियों की पहचान होगी. शिक्षक पाठ्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए प्रासंगिक और व्यावहारिक केस स्टडी को शामिल करें. प्रतिभागियों को परियोजना और संकट प्रबंधन के लिए गहन शोध और केस स्टडीज पर अधिक ध्यान देने का सुझाव दिया गया. इस अवसर पर डीन एकेडमिक प्रो तनुश्री दत्ता मौजूद थे.

Prabhat Khabar, 23-06-24, P.g-11